नवदुनिया

Bhopal Newspaper

रियो की तैयारी में जुटे अमित

ललित कटारिया >> भोपाल

प्रदेश की उम्मीद अमित पिलानिया ईरान में 19 अक्टूबर से प्रारंभ हो रही तेहरान ग्रांड प्रिक्स शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए जा रहे हैं। अमित ने कहा कि एक साल के कड़े अभ्यास को परखने का यहीं सही समय है।

अमित का लक्ष्य ब्राजील के रियो डिजेनेरियो में 2016 में आयोजित होने वाला ओलिम्पिक है। अमित ने कहा कि मेरा लक्ष्य सिर्फ ओलिम्पिक में क्वालीफाई करना नहीं बल्कि देश के लिए पदक जीतना है। रियो ओलिम्पिक में अभी समय है, परंतु पदक जीतना है तो अभी से तैयारी करना जरूरी है। पिछले दो माह से पुणे में भारतीय टीम के ट्रायल और कैंप में शामिल अमित ने बताया कि तेहरान के बाद 29 अक्टूबर को चीन में एशियन चैंपियनशिप आयोजित होना था। तेहरान तो सिर्फ तैयारी परखने को अवसर था, असली परीक्षा तो चीन में होना थी, पर चीन में चुनाव के चलते अब यह टूर्नामेंट दिसंबर में होने की संभावना है।

गत वर्ष अमित को प्रदेश के सर्वोच्च खेल सम्मान विक्रम पुरस्कार से नवाजा गया था। इस पुरस्कार के विजेता को राज्य सरकार द्वारा शासकीन नौकरी दी जाती हैं। अमित ने आगे की तैयारी के चलते नौकरी करने से इंकार कर दिया है।अमित एयर पिस्टल 10 मी. में भारत का नम्बर एक खिलाड़ी है। वह एयर पिस्टल

तेहरान ग्रांप्रि शूटिंग के लिए जाएंगे

50 मी. में भी हिस्सा लेते है। इटली में वर्ल्डकप के दौरान एयर पिस्टल 10मी. में 583 और जर्मनी में 584 अंक अर्जित किए है। इस इवेंट में दुनिया के नम्बर एक शूटर कोरिया के जिंग जांग ओ है। जिंग ने लंदन ओलिम्पिक में स्वर्ण पदक जीता था।

अमित ने कहा कि ओलिम्पिक में पदक जीतना बहुत ही मुश्किल चुनौती है। पर निरंतर अभ्यास और लगन से पदक जीता जा सकता है। अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और राज्यवर्धन सिंह राठौर ने शूटिंग में भारत के लिए पदक जीते हैं। अमित ने बताया कि 2014 से रियो ओलिम्पिक के लिए क्वालीफाइंग राउंड प्रारंभ हो जाएंगे। इस दौरान चार वर्ल्डकप, एक वर्ल्ड चैंपियनशिप और एक एशियन चैंपियनशिप होगी। इसमें मेरा ध्यान एशियन चैंपियनशिप में पर विशेष होगा। अमित बेंगलुरु के जैन कॉलेज से एमबीए कर रहे है। उन्होंने बताया कि मैनेजमेंट का रवैया खेलों के लिए उदार है। चैंपियनशिप, टूर व अभ्यास के लिए यहा छूट दी जाती है। इसलिए मैंने इस कॉलेज का चयन किया था।

अकादमी का विशेष योगदान

अमित ने कहा कि राज्य शूटिंग अकादमी का मेरे खेल को निखारने में पूरा योगदान दिया है। मेरे पिता वेद प्रकाश पिलानिया अकादमी के मुख्य कोच है। साथ ही वे अपने समय के शानदार खिलाड़ी रहे है। इसलिए बचपन से ही मुझे इसका फायदा मिला है। पिताजी के मार्गदर्शन में ही मैंने आज भारत के नंबर एक शूटर का सम्मान हासिल किया है। खेल विभाग ने भी हमेशा सुविधा का ख्याल रखा है। मप्र अकादमी में कभी भी एम्युनेस (गोली) की कमी नहीं रहीं है, जबकि पिछले सालों में कई स्थानों पर एम्युनेस की कमी दर्ज की गई थी। भोपाल स्थित इंडोर और आउटडोर दोनों अकादमी शानदार है।